Dainik Bhaskar (Indore), 18th July 2023, Front Page – Plus 04

नए सत्र से आईआईटी में शुरू होगा क्रेडिट बैंक सिस्टम, छात्र इंटर्नशिप और फील्ड विजिट से कमा सकेंगे क्रेडिट

किसी सेमेस्टर में क्रेडिट कम पड़ने पर नियमों के तहत छात्र इसका इस्तेमाल कर सकते हैं

सौदामिनी मुजुमदार | इंदौर

नए सत्र से आईआईटी इंदौर में छात्रों के लिए नई शिक्षा नीति के तहत एकेडमिक क्रेडिट बैंक की शुरुआत की जाएगी। छात्र इसमें अपना एकेडमिक क्रेडिट का खाता खोल सकेंगे। इंटर्नशिप व फील्ड विजिट जैसी गतिविधियों से क्रेडिट कमा कर इस खाते में जमा कर सकेंगे। इन जमा हुए क्रेडिट को किसी भी सेमेस्टर में क्रेडिट कम पड़ने पर तय नियमों के तहत इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसकी घोषणा निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने हाल ही में हुए दीक्षांत समारोह के दौरान की।

प्रोफेसर जोशी ने कहा कि यूं तो इसकी तैयारी राष्ट्रीय स्तर पर की गई है, लेकिन वर्तमान में इसे केवल इंदौर आईआईटी में मान्य करेंगे। उदाहरण के तौर पर, इंटर्नशिप या फील्ड विजिट पर जाने वाले छात्र कुछ मात्रा में क्रेडिट कमा कर अपने इस क्रेडिट खाते में उन्हें जमा कर सकते हैं। किसी भी सेमेस्टर में क्रेडिट कम पड़ने पर तय नियमों के तहत इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। आने वाले समय में इसे दूसरी संस्थाओं से किए हुए कोर्स के लिए भी मान्य किया जाएगा।

पढ़ाई से ब्रेक लेने वालों के लिए भी फायदेमंद होगी यह क्रेडिट बैंक

इस योजना में एक संस्था में पढ़ रहे छात्र अन्य संस्था से भी कोर्स कर सकेंगे। यह अन्य कोर्स उन्हें अपनी डिग्री पूरी करने में सहायक होगा। इससे विद्यार्थियों को पसंद की पढ़ाई करने की अधिक स्वतंत्रता मिलेगी। यह उन छात्रों के लिए भी उपयोगी है जो पढ़ाई से कुछ समय का ब्रेक लेना चाहते हैं और कुछ साल बाद फिर ज्वॉइन करना चाहते हैं या किसी अन्य कॉलेज में अपनी डिग्री के बीच ट्रांस्फर लेना चाहते हैं। हालांकि अलग-अलग संस्थाओं के स्टैंडर्ड के हिसाब से इसे लागू करने में परेशानियां आ सकती हैं। एक संस्था में कोर्स के क्रेडिट को दूसरी स्वीकार करेगी या नहीं इस पर संशय है।

सभी आईआईटी के बीच इसे लागू करने पर कर सकते हैं विचार

आईआईटी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो दीपक बी फाटक ने इस योजना को लेकर कहा कि अभी यह बहुत प्रारंभिक स्तर पर है। इसे देश में लागू करने से पहले बहुत परिवर्तन करने होंगे। अमेरिका में क्रेडिट कमाने और उसे अपनी डिग्री में इस्तेमाल करने के सिस्टम को संचालित करने के लिए एक थर्ड पार्टी का सहारा लिया जाता है।

राष्ट्रीय एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट प्रस्ताव के कुछ प्रमुख बिंदु

- क्रेडिट के लिए मान्य कोर्स और गतिविधियां सरकार द्वारा तय की जाएंगी
- किसी भी कोर्स के लिए कितने क्रेडिट दिए जा सकते, उसका मूल्यांकन होगा
- ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों कोर्स का होगा समावेश
- सात साल के लिए वैध होंगे छात्रों द्वारा कमाए क्रेडिट
- क्रेडिट कमा कर छात्र सीधे किसी अन्य कॉलेज में दूसरे या तीसरे वर्ष में प्रवेश ले सकेंगे